सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्ष: 9 ● अंक: 190 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 16 अगस्त, 2023

मांगना मरने के बराबर है, इसलिए किसी से भीख मत मांगो। सतगुरु कहते हैं कि मांगने से मर जाना बेहतर है, अर्थात पुरुषार्थ से स्वयं चीजों को प्राप्त करो, उसे किसी से मांगो मत।

–कबीर दास

ऋषभ पंत फिट, जल्द टीम इंडिया में... 7 | जिलों की चाह से निकलेगी जयपुर... 3 | कैग रिपोर्ट से खुली मोदी सरकार... 2

जेपीएनआईसी को बनाने के लिए संजय शर्मा की पीआईएल पर हाईकोर्ट का सरकार को नोटिस

- लगभग 9 सौ करोड़ की लखनऊ की ये शानदार बिल्डिंग हो रही थी खंडहर
- अखिलेश यादव ने 2015 में कराई थी इस बिल्डिंग की शुरुआत
- संजय सेठ की कंपनी शालीमार को मिला था इसका काम
- योगी सरकार बनते ही शुरू हो गई इसकी जांच और रुक गया काम

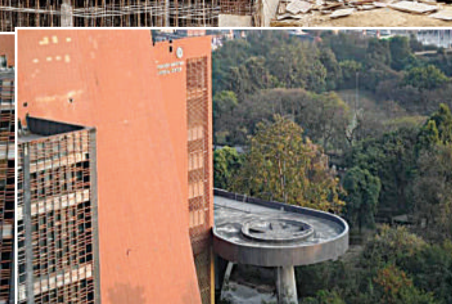

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यह खबर सरकार की लापरवाही का जीताजागता नमूना है। लखनऊ के पॉश इलाके गोमतीनगर में सपा सरकार में जय प्रकाश नारायण के नाम पर एक विशाल सेंटर बनाने की शुरूआत की जिसका नाम जेपीएनआईसी रखा गया। इस आधुनिक बिल्डिंग में कई ऑडिटोरियम, स्वीमिंग पूल तथा अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध थीं। इस बिल्डिंग को बनाने का काम शालीमार समूह को दिया गया और फिर इसमें एक के बाद एक लापरवाही होती चली गई।

2017 में जब योगी सरकार आ गई तब सरकार ने कहा कि इसमें बहुत भ्रष्टाचार हुआ है लिहाजा इसकी जांच कराई जायेगी। 2017 में यह जांच शुरू हुई और बिल्डिंग में काम रुक गया। बिल्डिंग तो नहीं बनी लेकिन अपनी गर्दन फंसती देखकर शालीमार समूह के मालिक संजय सेठ समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गये और भाजपा ने उनको सांसद भी बना दिया। मगर किसी को यह ध्यान नहीं आया कि जनता के टैक्स के पैसे से बन रही यह बिल्डिंग अधुरी पड़ी है। संजय शर्मा ने अपने लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4PM में एक विस्तार से रिपोर्ट बनाई थी और बताया था कि किस तरह जनता के पैसे के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और सैकड़ों करोड़ की यह बिल्डिंग खंडहर बनती जा रही है। इस रिपोर्ट में सिस्टम की लापरवाही पूरी तरह से उजागर हो गई थी।

अप्रैल में 4PM के संपादक संजय शर्मा ने सरकार को एक विस्तृत प्रत्यावेदन देकर अनुरोध किया था कि इस भवन को तत्काल पूरा किया जाए। मगर सरकार की ओर से कोई आदेश नहीं आया। इसके बाद संजय शर्मा ने हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल करके कहा कि देरी होने के कारण इस भवन का स्टीमेट लगातार बढ़ रहा है और सालों से बंद पड़ी बिल्डिंग खंडहर बनती जा रही है। लिहाजा तत्काल इस बिल्डिंग को बनवाने के आदेश सरकार को दिये जाएं। क्योंकि ये जनता के पैसे की बर्बादी है। आज हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने यह पीआईएल पेश हुई और उसके बाद उन्होंने सरकार और एलडीए को इस संबंध में नोटिस जारी करके उन्हें एक महीने का समय दिया है कि वे अपना जवाब दाखिल करें।

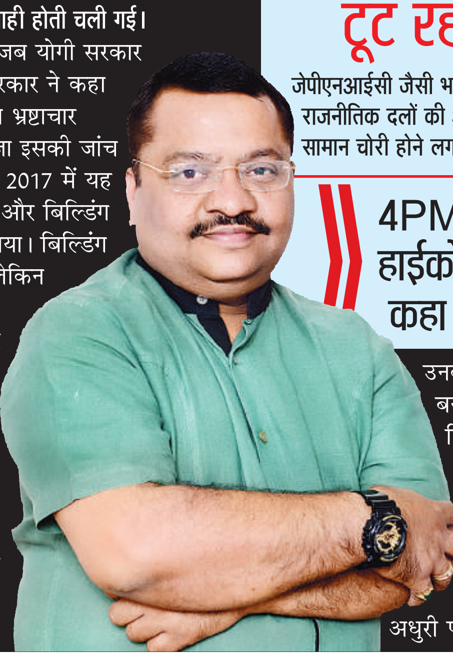

टूट रही है बिल्डिंग और चोरी हो रहा है सामान

जेपीएनआईसी जैसी भव्य बिल्डिंग पूरे यूपी में कहीं नहीं थी। इसकी छत पर हेलीकॉप्टर उतारने की व्यवस्था की गई थी। मगर राजनीतिक दलों की आपसी खींचतान के चलते न सिर्फ इस बिल्डिंग का काम रुका बल्कि यह बिल्डिंग टूटने लगी है और इसका सामान चोरी होने लगा है। लिहाजा इस बिल्डिंग को तत्काल बनाए जाने की बहुत जरूरत है।

- 4PM के संपादक संजय शर्मा ने हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल करके कहा ये जनता के पैसे की बर्बादी
- पीआईएल में तत्काल इस बिल्डिंग को पूरा करने का किया गया अनुरोध

जांच से बचने के लिए संजय सेठ ने थामा भाजपा का दामन

सपा सरकार में बन रही इस महत्वाकांक्षी योजना का काम संजय सेठ को इसलिए मिला क्योंकि वे सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव के बहुत करीबी थे। मगर प्रदेश में भाजपा सरकार के आते ही उन्होंने समझ लिया कि उनकी गर्दन फंस सकती है लिहाजा वे भाजपा में चले गये और फिर जांच रिपोर्ट ठंडे बस्ते में चली गई।

परम्परागत मतदाताओं वाले पोलिंग स्टेशनों को किया दूर : सपा

ईसी के निर्देशों की हुई अनदेखी

» बूथ मामले में की शिकायत, आपत्तियों को नहीं माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जिलों में जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष, सांसद, विधायकों द्वारा दर्ज कराई गई आपत्तियों के आधार पर बूथों में परिवर्तन एवं संशोधन कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि निर्वाचन क्षेत्रों में कई बूथों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के विपरीत बना दिया गया है। आरोप है कि सपा के परम्परागत मतदाताओं वाले पोलिंग स्टेशनों को छह किमी तक दूर कर दिया गया है। घनी आबादी के बीच, रेलवे लाइनों, बड़ी नहरों, बड़े नालों के पार पोलिंग स्टेशन बनाये गए हैं। यहां पहुंचने में मतदाताओं को परेशानी होगी। ज्ञापन में लखनऊ, गाजियाबाद, , बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच तथा अम्बेडकरनगर क्षेत्र के बूथों में सुधार के लिए सुझाव दर्ज कराए गए हैं। सपा का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर बांदा में 16 व 17 अगस्त को होगा। पहले दिन लोकतंत्र का भविष्य, जातीय जनगणना, सोशल मीडिया, वर्तमान सरकार में किसानों की स्थिति समेत कई विषयों पर वक्ता अपने विचार रखेंगे। 17 अगस्त को समाजवादी पार्टी और लोकसभा चुनाव-2024 पर चर्चा होगी। पहले दिन सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव और दूसरे दिन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से रूबरू होंगे। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल 16 अगस्त को प्रथम सत्र की शुरुआत करेंगे।पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संबोधन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन होगा।

दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर बांदा में आज से शुरू

9 सदस्यीय अल्पसंख्यक सभा का गठन

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की संस्तुति से शकील नदवी प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की प्रदेश कार्यकारिणी में 9 उपाध्यक्ष मौलाना मोहम्मद नज़र कासमी, अब्दुल खालिक इदरीसी, वसीम अहमद, देवेन्द्र सिंह खालसा, मो. मुजीब, मुमताज मंसूरी, इं. नूर मोहम्मद खान, अनवार अहमद, शमशाद अहमद, एक प्रमुख महासचिव प्रो. सैय्यद रिजवान अहमद 5 महासचिव रिजवान बरकाती, अकरम सिद्दीकी, डा. राजन अहमद रिज़वी, मो सैफ, शाहिद लारी तथा कोषाध्यक्ष चौधरी कलीमुद्दीन उस्मानी बनाये गये है। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, उप्र की कार्यकारिणी में 91 सचिव, 26 सदस्यों के अतिरिक्त 49 विशेष आमंत्रित सदस्य भी नामित किए गए है। समाजवादी अल्पसंख्यक सभी की कार्यकारिणी में 4 सरदार देवेन्द्र सिंह खालसा, टिंकू अरोड़ा, इंद्रजीत सिंह, अमर सिंह सरदार, एक जैन सुनील जैन, दो ईसाई अनुराज मलिक और सोलोमैन विनी फ्रेंड भी रखे गए है। कार्यकारिणी में 5 महिलाएं शबनम खान, सितारा बेगम, मलका माहे निगार, फिरदौस शहनाज एवं परवीन जैदी भी नामित की गई है।

अगली बार पीएम मोदी घर से करेंगे झंडारोहण : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा था कि वह प्रधानमंत्री अगले साल अपने घर पर ही ध्वजारोहण करेंगे। खरगे के इस बयान पर अन्नाद्रमुक नेता एम थंबीदुरई ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि पूरा भारत ही पीएम मोदी का घर है। 15 अगस्त को लाल किले से देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि वह अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर देश दिवारा की गई प्रगति का प्रदर्शन करेंगे।

उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह अगले साल एक बार फिर ध्वजारोहण करेंगे लेकिन अपने घर पर। मीडिया से बात करते हुए थंबीदुरई ने कहा कि पूरा भारत पीएम मोदी का घर है। उनका अपना परिवार नहीं है, इसलिए वे पूरे भारतवासियों को अपना परिवार मानते हैं। इसलिए लाल किला ही एक ऐसा स्थान है, जहां वह ध्वारोहण कर सकते हैं और हमेशा करेंगे। खरगे के पास उनका अपना परिवार होगा, लेकिन पीएम मोदी के लिए पूरा भारत ही उनका परिवार है। खरगे ने जो कहा, वह बिलकुल सही था। लाल किला ही पीएम मोदी का घर है और वो हर साल यहीं से ध्वजारोहण करेंगे। आज थंबीदुरई ने पूर्व पीएम को राजधानी दिल्ली में सदैव अटल स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। पहली बार भाजपा ने एनडीए में शामिल सभी साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आमंत्रित किया था।

शरद पवार की वजह से नेता बने हैं अजित : संजय राउत

» बोले- जूनियर लोग क्या देंगे केंद्रीय कैबिनेट का ऑफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अजित पवार का शरद पवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की पेशकश की खबरों पर संजय राउत ने कहा, अजित इतने बड़े नेता नहीं हैं कि वह शरद को ऑफर दे सकें। संजय राउत ने कांग्रेस के एक पूर्व सीएम के हवाले से मीडिया रिपोर्ट को लेकर सवाल पूछा गया, जिसमें कहा गया था कि अजित ने शरद को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह देने की पेशकश की है।

संजय राउत ने कहा, अजित पवार को पवार साहब ने बनाया, शरद पवार को अजित पवार ने नहीं बनाया, 60 साल से भी ज्यादा समय पवार साहब संसदीय राजनीति में बिता चुके हैं, चार बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हैं, शरद पवार को कद बहुत बड़ा ये जूनियर लोग हैं, ये क्या ऑफर देंगे। शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच बीते शनिवार (12 अगस्त) को पुणे में एक सीक्रेट मीटिंग हुई थी, इस मीटिंग में शरद पवार को पड़ा ऑफर मिलने की बात कही जा रही है।

मप्र में चारों ओर बुराईयों ने उठाया सिर

» कमलनाथ ने पीसीसी मुख्यालय में किया ध्वजारोहण, भाजपा सरकार को हटाने का संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

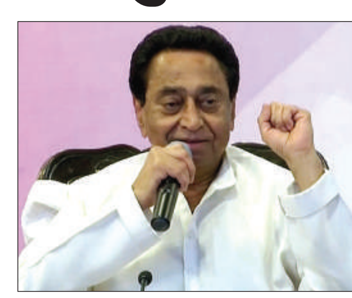

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कांग्रेस कार्यालय में ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्होंने प्रदेश की जनता के लिए संदेश वाचन भी किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना भी साधा। उन्होंने जनता से प्रदेश की तरक्की और सच्चाई का साथ देने बुराई का अंत करने संकल्प लेने की बात कही। इस अवसर पर कमलनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धी गिनाते हुए जनता से कहा कि आज देश के लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। हमें इस हमले का डट कर मुकाबला करना है। आजादी के 76 साल बाद हमें एक बार फिर बुराई पर अच्छाई की जीत हासिल करनी है।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में बहुत सी बुराइयां सिर उठा रही है। उन्होंने कहा कि हमें बेरोजगारी की बुराई का अंत युवाओं को रोजगार देकर करना है। उन्होंने कहा कि एक और बुराई भ्रष्टाचार और घोटाले है। मध्य प्रदेश में इंसान से लेकर भगवान तक किसी को भ्रष्टाचार और घोटालों से निजात नहीं मिल रही है। उन्होंने महाकाल लोक घोटाला, सतुपड़ा भवन अग्निकांड घोटाला, पटवारी भर्ती घोटाला, पोषण आहार घोटाला, आरक्षक भर्ती घोटाला, कारम डैम घोटाला, पेसा भर्ती घोटाला, नर्सिंग कॉलेज घोटाला, छात्रवृत्ति घोटाला, ई-टेंडर घोटाला से लेकर कई घोटाला किए है। हमें इस भ्रष्टाचार और घोटाला राज को खत्म करना है। कमलनाथ ने जनता से कहा कि आइये हम सब मिलकर नए मध्य प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें।

प्रदेश में चल रहा भ्रष्टाचार का खेल आवाज उठाने को जेल : बापू सिंह

राजगढ़ विधायक बापू सिंह ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है, जो आवाज उठाता है तो उसकी आवाज दबाने की कोशिश की जाती है। एफआईआर कराई जा रही है। बता दें कि मध्यप्रदेश के लगभग 41 जिलों में कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सहित कांग्रेस के अन्य सीनियर नेताओं पर भाजपा नेताओं ने एफआईआर दर्ज कराई है। इसका प्रदेश भर में कांग्रेस की ओर से विरोध किया जा रहा है। जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश पुरोहित व राजगढ़ विधायक बापू सिंह तंवर के नेतृत्व में पत्रकार वार्ता का अयोजन किया गया।

कैग रिपोर्ट से खुली मोदी सरकार की पोल

» केजरीवाल बोले- भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़े, देश के सामने आया पीएम का असली चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर मोदी सरकार को घेरने में जुट गई है। आप नेताओं ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने का दावा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का असली चेहरा देश के सामने उजागर कर दिया है। आप संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएजी के हवाले से प्रकाशित एक रिपोर्ट के आधार पर कहा कि मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार के 75 वर्ष के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

वहीं, आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि द्वारका एक्सप्रेसवे 18 करोड़ रुपये प्रति किमी की लागत से बनना था, लेकिन मोदी सरकार ने इसकी लागत बढ़ाकर 250 करोड़ रुपये प्रति किमी कर दी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ और रीना गुप्ता ने कहा कि भारत माला प्रोजेक्ट के तहत 75 हजार किमी सड़क बन रही है। ये सड़क 15 करोड़ प्रति किमी की लागत से बननी थी, लेकिन मोदी सरकार ने लागत 15 से 25 करोड़ रुपये प्रति किमी बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपये का घोटाला किया और अधिकतर काम अडाणी की कंपनियों को दे दिया। संजय सिंह ने कहा कि पिछले दिनों मोदी संसद में भ्रष्टाचार के सफाए का दावा कर रहे थे। प्रधानमंत्री कहीं भी भाषण देते हैं तो उनका सबसे बड़ा दावा यही होता है कि उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार खत्म कर दिया, मगर सीएजी के जरिये एक ऐसा खुलासा हुआ है, जिसमें पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार के ऊपर सबसे बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। लिहाजा मोदी सरकार ने भारत माला के नाम पर अपने आपको मालामाल कर लिया।

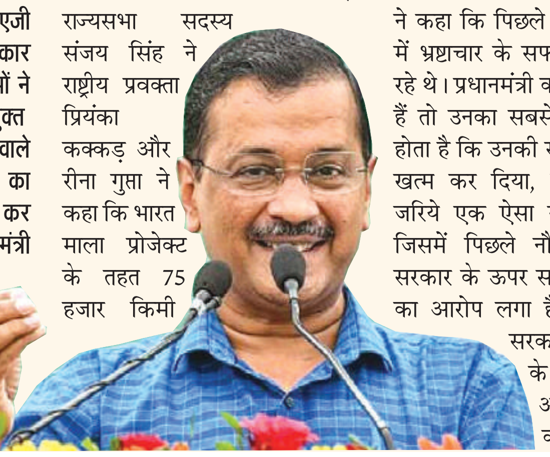

आयुष्मान में तीन फोन नंबरों पर 10 लाख को मिल गया इलाज

दूसरी ओर उन्होंने कहा कि भाजपा वाले आयुष्मान योजना की खूब तारीफ करते हैं। वह कहते हैं कि पूरे देश के लिए मोदी सरकार ने बहुत बड़ा स्वास्थ्य का इंतजाम कर दिया है। तीन फोन नंबर पर 10 लाख लोगों की आयुष्मान योजना चल रही है। मध्यप्रदेश में 400 लोगों की मौत हो चुकी है, फिर भी इन 400 लोगों का इलाज आयुष्मान योजना के तहत चल रहा है। मध्यप्रदेश में ही आठ हजार लोग एक ही समय में कई अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। हरियाणा में 4121 लोगों का एक ही समय में कई अस्पतालों में इलाज चल रहा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अब भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि जब प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं तो हंसी आती है। प्रधानमंत्री पहले अजीत पवार के 70 हजार करोड़ रुपये के घोटाले के खिलाफ बोलते हैं और उसके तुरंत बाद अपनी सरकार में शामिल करा लेते हैं। वहीं आप की वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता ने कहा कि पिछले सप्ताह नरेंद्र मोदी ने संसद में देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का दावा किया था, जबकि भारत माला, आयुष्मान प्रोजेक्ट समेत मोदी सरकार के हर प्रोजेक्ट में घोटाले हो रहे हैं।

जिलों की चाह से निकलेगी जयपुर की राह!

राज्य विधानसभा चुनाव-23 की बिसात बिछाई

» कांग्रेस की हर हाल में सत्ता वापसी की कवायद

» राजस्थान में भाजपा को मिलेगी कड़ी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जैसे-जैसे राजस्थान में विधानसभा चुनाव की दस्तक सुनाई दे रही वहां पर कांग्रेस और बीजेपी अपने-अपने तरकश में तीरों को धार देने लगे हैं। चूंकि कांग्रेस राज्य की सत्ता में है इसलिए वह जनता को लुभाने की हर जायज कोशिश कर रही है जबकि भाजपा उसकी योजनाओं को चुनावी वादा बताकर खरिज करने में जुटी है। अभी हाल ही में अशोक गहलोत सरकार ने 19 नए जिलों को गठन किया था। जानकारों का मानना है इस घोषणा से गहलोत ने सैकड़ों विधान सभा पर नजर गड़ा दी है।

इस फैसले से बीजेपी परेशान हो गई। ऐसा माना जा रहा है कि इन नए जिलों में भाजपा का प्रभाव ज्यादा था। खैर अब तो ये आने वाला समय बताएगा कई नए जिलों की राह किसको जयपुर कुर्सी पर बिठाती है। गौरतलब हो कि 15 साल बाद प्रदेश में एक साथ 19 नए जिलों का गठन एक नया इतिहास रचा गया है। जहां पिछले 72 वर्षों में प्रदेश में मात्र 7 नए जिलों का ही गठन हो पाया था। वहीं एक साथ 19 नए जिले बनाए गए हैं। जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड भी है। राजस्थान में 19 नए जिलों का गठन कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की राजनीति में मास्टर स्ट्रोक खेला है। वर्षों से राजस्थान में नए जिलों के गठन की मांग की जा रही थी। मगर किसी भी सरकार ने नए जिलों के गठन का जोखिम उठाना मुनासिब नहीं समझा था। चुनावी साल में एक साथ 19 नए जिले व तीन नए संभाग बनाकर अशोक गहलोत ने प्रदेश की जनता को बहुत बड़ा तोहफा दिया है। इससे आम आदमी की प्रशासन तक पहुंच आसान होगी और उनके सरकारी काम तेजी से निष्पादित होंगे। नए जिलों के गठन से गहलोत को राजनीतिक रूप से भी बड़ा लाभ मिलने वाला है। राजस्थान में अभी तक कुल 33 जिले ही थे। जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। राजस्थान से क्षेत्रफल व आबादी में छोटे कई प्रदेशों में जिलों की संख्या राजस्थान से अधिक थी। गहलोत ने नए जिलों का गठन कर भौगोलिक दृष्टि से भी प्रदेश में प्रशासन व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने का काम किया है।

सरकारी नियुक्ति से भी वोट लेने की कोशिश

नए जिलों का नोटिफिकेशन जारी होते ही ओएसडी के पद कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक का हो गए है। नए बनाए गए सभी जिलों में शीघ्र ही जिला स्तर के कार्यालय प्रारंभ किए जाएंगे। नए जिला बनने वाले क्षेत्रों में हजारों नए सरकारी कर्मचारियों की नियुक्तियां होंगी। कई दर्जन जिला स्तरीय सरकारी कार्यालय खुलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रदेश में अभी और नए जिलों के गठन की मांग उठ रही है। इसको लेकर कई जगह धरने प्रदर्शन भी किए गए हैं। राजस्व मंत्री रामलाल जाट का कहना है कि राजस्थान में और नए जिले बनाए जाने की आवश्यकता है। इस बाबत उन्होंने मुख्यमंत्री से चर्चा भी की है। आने वाले समय में राजस्थान में और कई नए जिले बन सकते हैं।राजस्थान में नए जिलों का गठन निश्चित तौर पर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। वर्तमान में राजस्थान का क्षेत्रफल 342239 वर्ग किलोमीटर है। जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.4 प्रतिशत है। जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान देश का सातवां प्रदेश है। राजस्थान की पाकिस्तान के साथ करीब 1070 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। इस कारण राजस्थान सामरिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण प्रदेश है।

सभी 200 विस सीटों पर कांग्रेस की नजर

राजनीतिक रूप से भी मुख्यमंत्री गहलोत अधिकांश आयोग, निगम, बोर्ड का गठन कर चुके हैं। जिन सरकारी संस्थाओं में गैर सरकारी लोगों की नियुक्तियां की जानी हैं उसकी प्रक्रिया भी चल रही है। मुख्यमंत्री गहलोत ने हाल ही में 20 जिलों की जिला स्तरीय 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति में उपाध्यक्षों की नियुक्तियां की हैं। इसी तरह प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीटों पर वरिष्ठ कांग्रेसी जनों को पर्यवेक्षक लगा दिया गया है। जो उन विधानसभा क्षेत्रों में जाकर वहां के सभी कांग्रेस जनों को एक सूत्र में बांधकर पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में वोट डलवाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दोनों पैर के अंगूठे पर चोट लगी हुई है तथा पिछले 2 महीनों से वह घर पर ही रह कर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पूरी तरह से सक्रिय बने हुए हैं। मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर ही कैबिनेट की मीटिंग कर विभिन्न योजनाओं का अनुमोदन कर उन्हें क्रियान्वयन करवा रहे हैं। प्रदेश में बड़े स्तर पर शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन प्रारंभ हो चुका है।

राजस्थान के गठन के समय थे 26 जिले

राजस्थान का गठन 1 नवंबर 1956 को हुआ था। उस समय प्रदेश में कुल 26 जिले थे। उसके 26 साल बाद 15 अप्रैल 1982 को भरतपुर से अलग होकर धौलपुर को प्रदेश का 27वां जिला बनाया गया था। 10 अप्रैल 1991 को कोटा से अलग होकर बारां को, जयपुर से अलग होकर दौसा को व उदयपुर से अलग होकर राजसमंद को एक साथ तीन नए जिले बनाए गए थे। उस समय राजस्थान में जिलों की संख्या ब?कर 30 हो गई थी। 12 जुलाई 1994 को श्रीगंगानगर से अलग होकर हनुमानग? को 31वां जिला बनाया गया था। 19 जुलाई 1997 को सवाई माधोपुर से अलग होकर करौली को 32वां जिला बनाया गया था। 26 जनवरी 2008 को प्रतापगढ़ को प्रदेश का 33वां जिला बनाया गया था। देश में अब उत्तर प्रदेश में 75 व मध्य प्रदेश में 52 जिलों के बाद तीसरे स्थान पर राजस्थान में 50 जिले हो गए हैं। राजस्थान में अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, केकड़ी, कोटपूतली-बहरोड, खैरथल, नीमकाथाना, सलूंबर, सांचौर और शाहपुरा को नया जिला बनाया गया है। वहीं सीकर, पाली व बांसवाड़ा को नया संभाग बनाया गया है। अब राजस्थान में संभाग की संख्या भी 7 से बढ़कर 10 हो गई है। राजस्थान में जैसलमेर सबसे बड़ा जिला व दूदू सबसे छोटा जिला बन गया है। राजस्थान में 19 नए जिलों के गठन के कारण 18 पुराने जिलों की भौगोलिक सीमा भी बदल गई है। राजस्थान में 2 महीने के बाद विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लग जाएगी। उससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार नई-नई योजनाओं को लांच कर नए कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर रहे हैं। प्रदेश में उन सभी परिवारों को विशेष राशन किट प्रदान किया जाएगा जो अभी तक राशन की दुकानों से नि:शुल्क गेहूं प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना का शुभारंभ आगामी 15 अगस्त से हो जाएगा। इसी तरह आगामी रक्षाबंधन से प्रदेश में महिलाओं को निशुल्क मोबाइल फोन वितरण का कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा। जिन परिवारों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिला हुआ है उनके गैस सब्सिडी की राशि मुख्यमंत्री ने उपभोक्ताओं के खाते में डाल दी है। जिससे उन परिवारों को महंगाई से राहत मिल सकेगी।

50 प्रतिशत कमीशन स्लोगन से सधेगी कुर्सी

» मध्य प्रदेश में कांग्रेस को मिला मुद्दा

» भाजपा ने कहा-आरोप में कोई दम नहीं

» कर्नाटक की तरह राज्य में शिवराज सरकार को घेरने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कर्नाटक में 40 प्रतिशत कमीशन वाले स्लोगन के आधार पर वहां की सत्ता से बीजेपी को हटाकर खुद को राज्य को सिरमौर बनाने वाली कांग्रेस मध्य प्रदेश में भी उसी राह पर चलने की तैयारी में है। गौरतलब हो कि मध्य प्रदेश में तीन महीने बाद चुनाव होने हैं। ऐसे में कांग्रेस ने कर्नाटक प्लान पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत एक के बाद एक कांग्रेस के छोटे-बड़े सभी नेताओं ने शिवराज सिंह चौहान सरकार को घेरना शुरू कर दिसा है। कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा कि शिवराज सिंह चौहान सरकार 50 प्रतिशम कमीशन देने पर ही काम करवाती है।

शिवराज सरकार पर इस मले में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी से लेकर मीडिया विभाग के प्रमुख जयराम रमेश तक और प्रदेश में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तक ने एक साथ आरोप लगाए। वहीं, भाजपा ने आरोपों पर पलटवार किया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने एक दिन पहले ठेकेदारों के मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को लिखे पत्र को शेयर किया था। इसमें कथित तौर पर 50 प्रतिश कमीशन देने पर भुगतान मिलने की बात कही गई थी। कांग्रेस ने कर्नाटक में भाजपा से सत्ता छीनने के लिए कई स्तरों पर काम किया। रणनीति के तहत भाजपा सरकार को भ्रष्ट साबित करने के लिए समन्वित हमले किए। एक साथ कई मोर्चे खोलकर वोटरों के बीच यह फैलाया कि भाजपा सरकार 40प्रतिशत कमीशन वाली सरकार है। बिना कमीशन दिए कोई काम नहीं हो सकता। इस फॉर्मूले का लाभ मिला और भाजपा को हार का स्वाद चखना पड़ा। अब कांग्रेस शिवराज सरकार को घेर रही है।

प्रियंका-जयराम रमेश तक के निशाने पर शिवराज

प्रियंका गांधी नसोशल मीडिया पर लिखा कि कर्नाटक में भ्रष्ट भाजपा सरकार 40 प्रतिशत कमीशन वसूलती थी। मध्य प्रदेश में भाजपा भ्रष्टाचार का अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल गई है। कर्नाटक की जनता ने 40प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को बाहर किया। अब मध्य प्रदेश की जनता 50प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को सत्ता से हटाएगी। जयराम रमेश ने भी ट्वीट में लगभग ऐसी ही बात लिखकर शिवराज सरकार पर हमला बोला। दोनों ने खबर को शेयर किया। प्रियंका के ट्वीट पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि प्रियंका जी आपने मध्य प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार के दानव को पूरी दुनिया के सामने उजागर कर स्पष्ट कर दिया है कि मध्य प्रदेश की जनता किस तरह सत्ताधारी पार्टी की कमीशन और लूट का शिकार बन रही है। मध्यप्रदेश में गर्भवती महिलाओं के पोषण आहार से लेकर भगवान महाकाल के परिसर के निर्माण तक में 50त से अधिक कमीशन का घोटाला किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में घोषणावीर नटवरलाल की सरकार है जो पैसा दो, काम लो के सिद्धांत पर चल रही है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने गुरुवार को ठेकेदारों के मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को लिखे पत्र को शेयर किया था। लघु एवं मध्यम श्रेणी संवदाकार संघ के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र अवस्थी को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि प्रदेश में 50प्रतिशत कमीशन देने पर ही भुगतान मिलता है। उन्होंने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से मांग की है कि पूरे मामले की जांच हाईकोर्ट के जज से कराई जाए और हमारे लंबित भुगतान करवाए जाएं। पिछले 10 साल में पेटी कांट्रेक्टर के तौर पर 35 हजार किमी सड़क, 15 हजार छोटे-बड़े भवन और एक हजार से अधिक तालाब बनाए गए। हर जिले में निर्माण कार्यों का भुगतान लंबित है। अधिकारी सरकार से राशि नहीं मिलने की बात कह रहे हैं। सरकार में हमारी कोई सुनने वाला नहीं है। विभागों में दलाल 50त कमीशन लेकर भुगतान करा रहे हैं। मूल ठेकेदार हमें निविदा में स्वीकृत मूल राशि का 40 प्रतिशत राशि देकर काम करवाते है। कुल स्वीकृत राशि में से 50 प्रतिशत कमीशन में बंट जाती है। ऐसे में पेटी कांट्रेक्टर का जीवन नारकीय हो गया है।

ध्यान हटाना चाहती हैं बीजेपी और कांग्रेस : माया

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष ने इस मामले में बीजेपी और कांग्रेस पर निशाना साधा है। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी और कांग्रेस इस तरह के मुद्दे उठाकर महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाना चाहती हैं। मायावती ने कहा कि भ्रष्टाचार सिर्फ मध्यप्रदेश में ही नहीं बल्कि कांग्रेस शासित राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी है। मायावती ने कहा, 'मध्यप्रदेश सरकार में 50 प्रतिशत कमीशनखोरी के आरोप को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच जारी आरोप-प्रत्यारोप, मुकदमों आदि की राजनीति से कमरतोड़ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शोषण-अत्याचार आदि जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों का चुनाव के समय पीछे छूट जाना कितना उचित? ऐसा क्यों?'उन्होंने कहा, 'बहुजन समाज पार्टी इन तीनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस सरकारों के खिलाफ जनहित व जनकल्याण के खास मुद्दों को लेकर अकेले विधानसभा का चुनाव लड़ रही है। जिसके लिए प्रत्याशियों के नाम भी स्थानीय स्तर पर घोषित किए जा रहे हैं। पार्टी को भरोसा है कि वह अच्छा रिजल्ट हासिल करेंगी'। मायावती ने पहले ही एलान किया है कि वो कांग्रेस या बीजेपी किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी और तीनों राज्यों में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी।

इतना भ्रष्टाचार कभी नहीं देखा : दिग्विजय

दिग्विजय सिंह का भी एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि कर्नाटक में तो एक मंत्री 40त ले रहा था। यहां अलग-अलग स्तर है। नीचे पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर, कमिश्नर और फिर ऊपर भोपाल तक कमीशन जा रहा है, जो 50त तक है। प्रदेश में खुलेआम लूट मची है। कलेक्टरों से खुलेआम पोस्टिंग का पैसा लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री निवास से फोन जाता है कि कौन-सी पोस्टिंग चाहिए। मीनू बोर्ड लगा है कि कौन-सी कमाऊ पोस्टिंग है? दिग्विजय सिंह ने कहा कि इतना भ्रष्टाचार हमने कभी नहीं देखा। 10 साल तक एक भी कलेक्टर या जिला अधिकारी कह दें कि दिग्विजय सिंह ने एक भी कलेक्टर-एसपी से ट्रांसफर पोस्टिंग में पैसा लिया हो।

सरकार को बदनाम करने की साजिश : नरेंद्र सलूजा

भाजपा ने कांग्रेस के आरोप पर पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने लिखा कि कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है। 50 प्रतिशत कमीशन के एक फर्जी पत्र के आधार पर पहले कांग्रेस के नेता अरुण यादव ट्वीट करते है और उसे प्रियंका गांधी से लेकर जयराम रमेश और खुद कमलनाथ जी ट्वीट कर रहे है। इस तरह का ट्वीट कर वह शिवराज सरकार को बदनाम करने का काम कर रहे हैं, जबकि यह पत्र पूरी तरह से फर्जी है। मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार में भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस है , इस प्रकार की कमीशन की बात पूरी तरह से फर्जी है। सलूजा ने कहा कि सिर्फ चुनाव के एजेंडे को सेट करने के लिए इस तरह से फर्जीवाड़े का सहारा लिया जा रहा है। सलूजा ने कहा कि मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस फर्जी पत्र के आधार पर कांग्रेस के नेताओं पर प्रकरण दर्ज किया जावे। कांग्रेस को चुनाव में कोई मुद्दा नहीं मिल रहा है तो इस तरह से फर्जी पत्र तैयार कर सरकार को बदनाम करने का काम किया जा रहा है।जिस कमलनाथ की सरकार में वल्लभ भवन भ्रष्टाचार व दलालों का अड्डा बना रहा , ट्रांसफर उद्योग पूरे 15 माह चलता रहा ज़सारी जन हितेषी योजनाएं बंद हो गई ज़वह आज शिवराज सरकार पर मनगढ़ंत, झूठे आरोप लगा रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चंद्रयान मिशन को मिली एक और सफलता

> भारत के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है , अब भारत दुनिया पांच बड़े देशों में गिना जाएगा जो यह सफलता हासिल करने वाले हैं। अन्वेषण मिशन चंद्रयान-3 अब चंद्रमा की सतह से केवल 177 किलोमीटर दूर है। अंतरिक्ष यान ने अपनी कक्षा का गोलाकार चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे यह अपने अंतिम गंतव्य के और भी करीब आ गया है।

इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस यादगार होने वाला है। 15 अगस्त से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को इसरो का चंद्रयान-3 मिशन मंजिल के और करीब पहुंच गया है। 17 अगस्त की तारीख और महत्वपूर्ण हैं इस दिन लैंडर अलग होगा और चांद पर लैंडिंग करने की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा। सारे देशवासी आजादी के जश्न के साथ चंद्रयान के सफल लैंडिंग की भी प्रार्थना कर रहे हैं। भारत के लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है , अब भारत दुनिया पांच बड़े देशों में गिना जाएगा जो यह सफलता हासिल करने वाले हैं। अन्वेषण मिशन चंद्रयान-3 अब चंद्रमा की सतह से केवल 177 किलोमीटर दूर है। अंतरिक्ष यान ने अपनी कक्षा का गोलाकार चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे यह अपने अंतिम गंतव्य के और भी करीब आ गया है। इसरो ने एक सटीक पैंतरेबाज़ी की जिसने अंतरिक्ष यान की कक्षा को 150 किमी × 177 किमी तक कम कर दिया, जो मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इसरो ने बताया कि चंद्रयान-3 ने सफलतापूर्वक चांद की कक्षा के एक और वृत्ताकार चरण को पूरा कर लिया है और अब वह चांद के और करीब वाली कक्षा में पहुंच गया है।

चंद्रयान-3 अब चांद के चौथे ऑर्बिट में प्रवेश कर गया है। 14 अगस्त की सुबह करीब पौने बारह बजे चंद्रयान-3 के थ्रस्टर्स को चालू किया गया था, जिसकी मदद से चंद्रयान-3 ने सफलतापूर्वक कक्षा बदली। पांच अगस्त को चंद्रयान-3 ने पहली बार चांद की कक्षा में प्रवेश किया था और उसके बाद से तीन बार कक्षा में बदलाव कर चांद के करीब आ चुका है। चंद्रयान-3 1900 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से चांद से 150 किलोमीटर दूर कक्षा में यात्रा कर रहा है। चंद्रयान का ऑर्बिट सर्कुलाइजेशन चरण चल रहा है और चंद्रयान-3 ने अंडाकार कक्षा से गोलाकार कक्षा में आना शुरू हो गया है।16 अगस्त को चंद्रयान-3 एक और कक्षा कम करके चांद के और करीब आएगा। वहीं 17 अगस्त का दिन मिशन के लिए अहम होगा क्योंकि इस दिन चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर से अलग किया जाएगा। इसके बाद 23 अगस्त को चंद्रयान-3 को चांद की सतह पर लैंड करना है, जिस पर पूरी दुनिया की निगाह होगी। चंद्रयान-3 मिशन में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल शामिल हैं। लैंडर और रोवर चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरेंगे और 14 दिनों तक प्रयोग करेंगे। वहीं प्रोपल्शन मॉड्लूय चांद की कक्षा में ही रहकर चांद की सतह से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा। इस मिशन के जरिए इसरो चांद की सतह पर पानी का पता लगाएगा और यह भी जानेगा कि चांद की सतह पर भूकंप कैसे आते हैं। इस अभियान से भारत को आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हरित परिवर्तन और आशा के अग्रदूत बनें युवा

बंडारू दत्तात्रेय

युवाओं में भारत को और अधिक बेहतर बनाने की अपार क्षमता है। वे नशाखोरी, गरीबी और बेरोजगारी जैसी सामाजिक बुराइयों और चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, लोगों के व्यापक हित में उनकी प्रतिभा को उजागर करने के लिए उन्हें सही प्रकार के मानवीय मूल्यों, कौशल और ज्ञान से परिपूर्ण करना समय की मांग है। किसी राष्ट्र की प्रगति युवा ऊर्जा के सर्वोत्तम और सकारात्मक उपयोग पर निर्भर करती है। अगर युवा गुमराह हों तो समाज को बहुत नुकसान होता है। हमने जापान में युवाओं की ताकत देखी है। इसके दो शहर- हिरोशिमा और नागासाकी- द्वितीय विश्व युद्ध में राख में बदल गए थे। कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और सकारात्मकता के दम पर जापान के युवाओं ने न केवल दो तबाह शहरों का बल्कि पूरे देश का पुनर्निर्माण किया। आज जापान विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था है। यही देशभक्ति एवं राष्ट्रवाद की शक्ति है।

आज अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस की थीम भी उपयुक्त है- 'युवाओं के लिए हरित कौशल' एक सतत विश्व की ओर। हरित कौशल क्या हैं? ये एक टिकाऊ और संसाधन-कुशल समाज में रहने, विकसित करने और समर्थन करने के लिए आवश्यक ज्ञान, योग्यताएं, मूल्य और दृष्टिकोण हैं। युवाओं के बीच हरित कौशल को बढ़ावा देना न केवल उन्हें उभरते हरित उद्योगों में भविष्य में नौकरी के अवसरों के लिए तैयार करता है, बल्कि पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा देता है। युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थान और निजी संगठन हरित कौशल के साथ प्रशिक्षण, शिक्षा और संसाधन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कौशल जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और पर्यावरणीय गिरावट की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक हैं। नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से संबंधित ज्ञान और कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण है। नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित युवा स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों के डिजाइन, स्थापना और रखरखाव में योगदान दे सकते हैं। इसी तरह, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को समझने से युवाओं को इमारतों से लेकर परिवहन तक विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा की खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अवसरों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। संसाधन प्रबंधन में कौशल रखने वाले युवा कृषि और जल प्रबंधन में स्थायी प्रथाओं में योगदान दे सकते हैं। अपशिष्ट प्रबंधन सिद्धांतों और पुनर्चक्रण तकनीकों का ज्ञान युवाओं को अपने समुदायों में अपशिष्ट कटौती और पुनर्चक्रण पहल के लिए नवीन समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बना सकता है। पर्यावरण निगरानी और विश्लेषण में कौशल युवाओं को पर्यावरणीय मुद्दों का आकलन और समाधान करने, बेहतर निर्णय लेने और सतत विकास में योगदान करने में सक्षम बनाता है।

वास्तव में खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत साल 2030 तक जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और 2070 तक शुद्ध-शून्य तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय बजट 2023-24 में कई ऐतिहासिक निर्णयों की घोषणा की गई है जो भारत के हरित ऊर्जा परिवर्तन के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, ऊर्जा संक्रमण और शुद्ध शून्य उद्देश्यों की दिशा में प्राथमिकता वाले पूंजी निवेश के लिए 35,000 करोड़ रुपये, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा संक्रमण को सुविधाजनक बनाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए 19,700 करोड़ रुपये तय हैं। इसी तरह, 4,000 मेगावाट की क्षमता वाली बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम को वायबिलिटी गैप फंडिंग से समर्थन दिया जाएगा। गोलाकार अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना के तहत 500 नए 'कचरे से धन' संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

हालांकि, हमारे युवा सर्वोत्तम कौशल हासिल करने और उनका अधिकतम लाभ उठाने में तभी सक्षम होंगे यदि वे ईमानदारी, सहानुभूति, सम्मान, अखंडता और करुणा जैसे मानवीय मूल्यों से अच्छी तरह सुसज्जित होंगे। जब युवा मानवीय मूल्यों को आत्मसात करते हैं, तो वे अपने कार्यों और निर्णयों के प्रति अधिक जागरूक हो जाते हैं, जिससे उनके व्यवहार और समाज पर इसके प्रभाव के प्रति जवाबदेही की भावना पैदा होती है। युवाओं में मानवीय मूल्यों को स्थापित करने से सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा होती है, जिससे उन्हें सामुदायिक सेवा में सक्रिय रूप से शामिल होने और अपने आसपास की दुनिया की बेहतरी में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पूर्वाग्रहों से ग्रसित सोच का दंश झेलते पुरुष

डॉ. ऋतु सारस्वत

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने एक मामले में अहम टिप्पणी देते हुए कहा कि 'किसी पुरुष पर दुष्कर्म का झूठा आरोप उतना ही भयावह और पीड़ा देने वाला होता है जितना किसी महिला के साथ दुष्कर्म का झूठा आरोप, आरोपी को भी कष्ट, अपमान और नुकसान पहुंचाता है। ऐसे मामलों में अदालत का कर्तव्य बनता है कि वह सावधानी और बारीकी से हर पहलू को देखें।' उल्लेखनीय है कि कुछ इसी तरह के मामले में पिछले माह इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा था 'दुष्कर्म के झूठे मुकदमों की प्रवृत्ति इतनी तेजी से बढ़ रही है कि वास्तविक मामले अपवाद जैसे लगने लगे हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि समय आ गया है कि अदालतें ऐसे मामलों में जमानत याचिकाओं की सुनवाई करते समय बहुत सतर्क रहें। कानून पुरुष के खिलाफ बहुत पक्षपाती है।

एफआईआर में बेबुनियाद आरोप लगाना और किसी को भी फंसा देना बहुत आसान है। इसलिए यौन अपराधों से जुड़े मामलों में आरोपियों के अधिकारों की भी रक्षा होनी चाहिए तथा उनका पक्ष भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए।' देश की उच्च अदालतों की यह टिप्पणियां एक ऐसे सामाजिक बदलाव की ओर संकेत कर रही हैं जहां बदला लेने का भाव मर्यादा के हर बंधन को तोड़ते हुए अमानवीयता का पक्षधर बनता हुआ दिखाई दे रहा है। यह तय है कि अगर भविष्य में इस प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगी तो समाज पूरी तरह बिखर जाएगा। प्रश्न यह है कि यकायक पिछले दशकों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का दुरुपयोग करने की प्रवृत्ति क्यों बढ़ी? इस प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर है हमारा वह सामाजिक ढांचा जो उस विचारधारा के इर्द-गिर्द घूमता है कि महिलाएं बेहद संजीदा व संवेदनशील होती हैं। उल्लेखनीय है कि 2013 में देश की शीर्ष अदालत ने 'कैनी राजन बनाम केरल राज्य' के मामले में निर्णय देते हुए इस बात को लेकर चिंता जताई थी कि 'दुष्कर्म के मामलों में न केवल पीड़िता के बयान को अत्यधिक महत्व दिया जाता है बल्कि उसे ससम्मान स्वीकार भी कर लिया जाता है लेकिन कुछ परिस्थितियां ऐसी भी होती हैं जब न्यायालय को संशय होता है और अगर इन परिस्थितियों के मध्य पीड़िता के प्रमाणित बयान को स्वीकार किया जाए तो वह उचित नहीं होगा।'

विद्रूपता यह है कि पुरुषों को बिना किसी तथ्यात्मक आधार के असंवेदनशील व उच्छृंखल माना जाता है। महिलाएं स्वयं इस सत्य से भलीभांति परिचित हैं कि समाज से लेकर पुलिस महकमा भी उनके प्रति सहानुभूति का भाव रखता है और उनके हर कथन को सत्य मानकर चलता है बिना इस तथ्य पर विचार किए कि महिलाएं एवं पुरुष स्वभावगत एक जैसे होते हैं। दोनों में ही ईर्ष्या, द्वेष तथा क्रोध जैसे भाव समान रूप से प्रवाहित होते हैं परंतु पुरुषों के प्रति घोर पूर्वाग्रह उन्हें आरंभ से ही अपराधी मानकर चलता है। जॉन डेविस ने अपनी पुस्तक 'फॉल्स एक्यूजेशंस ऑफ रेप लिंचिंग इन द फर्स्ट सेंचुरी' में उन मिथकों का वैज्ञानिक खंडन प्रस्तुत किया है कि महिलाएं दुष्कर्म के बारे में झूठ नहीं बोलती हैं। अपने विस्तृत शोध में इस तथ्य को गंभीरता से उठाया है कि दुष्कर्म के झूठे आरोपों से पुरुष का पारिवारिक और सामाजिक जीवन तो समाप्त हो ही जाता है, वह अवसाद और मानसिक पीड़ा से भी नहीं उबर पाता।

सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि जब किसी पुरुष के विरुद्ध दुष्कर्म का आरोप लगता है तो मीडिया से लेकर आम जन समूह, तथा नारीवादी संगठन त्राहि-त्राहि करते हैं बिना वास्तविक तथ्य को जाने, उसे सामाजिक बहिष्कार, अपमान और असहनीय पीड़ा दी जाती है और अंततोगत्वा जब वह भी निर्दोष सिद्ध होता है तो कहीं भी इस संबंध में चर्चा तक नहीं होती। नवंबर 2014 में 'रेप ऑन कंपस' नाम से रोलिंग स्टोन में प्रकाशित सबरीना रूबिन एर्डली के लेख ने दुनियाभर में हलचल मचा दी थी। वर्जीनिया विश्वविद्यालय में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर सबरीना ने विश्वविद्यालय के डीन तथा अन्य अधिकारियों पर लापरवाही जैसे आरोप लगाए परंतु चार्लोट्सविले पुलिस विभाग की जांच में दुष्कर्म जैसी किसी घटना के कोई सबूत नहीं मिले। दस सदस्यीय जूरी ने रोलिंग स्टोन की रिपोर्टर को मानहानि के लिए उत्तरदायी माना। यह सहज कल्पनीय है कि किस तरह दुष्कर्म की एक काल्पनिक घटना को बेहद ही सजीव ढंग से चित्रित करने से तथाकथित रुप से समाज के जिम्मेदार लोगों ने भी त्वरित रूप से इस बात पर भरोसा किया। रिचर्ड वेबास्टर का लेख 'द सीक्रेट ऑफ ब्रायन एस्टिन' उन सांस्कृतिक संदर्भों, विश्वास और झूठे आरोपों को सच करने और स्वीकार करने के लिए प्रेरक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

वह कारक जो एक निर्दोष व्यक्ति की सजा में योगदान देते हैं, के संबंध में वॉकर तथा स्टार्मर ने अपने अध्ययन 'मिस कैरिजेज ऑफ जस्टिस, ए रिव्यू ऑफ जस्टिस इन एरर' में विस्तृत चर्चा की है। उनका मानना है पुलिस तथा अभियोजन जांच में पुष्टिकरण पूर्वाग्रह, अपर्याप्त कानूनी सुरक्षा, संज्ञानात्मक पूर्वाग्रह, मीडिया रिपोर्ट का प्रभाव निर्दोष व्यक्ति के सत्य को दबा देता है। अभियोजन पक्ष अधिक प्रभावी ढंग से पैरवी कर सके और पीड़ित के सम्मान की बहाली हो सके। लेकिन इस कानून के बेजा इस्तेमाल से पुरुषों की स्थिति बेहद दुखद हो चुकी है। वर्ष 2016 में एक अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि दुष्कर्म के झूठे आरोपों का सामना कर रहे पुरुषों की सुरक्षा और उनकी प्रतिष्ठा बहाल किए जाने के लिए कानून बनाए जाएं क्योंकि हर कोई सिर्फ महिलाओं के सम्मान को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

रसभरी

हाई बीपी और आंखों के लिए फायदेमंद

केप गूसबेरी को रसभरी या मकोय के नाम से भी जाना जाता है। ये छोटे-छोटे गोल-गोल नारंगी रंग के फल होते हैं। इस फल का स्वाद खट्टा-मीठा होता है। रसभरी आमतौर पर दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, भारत और चीन आदि देशों के गर्म क्षेत्रों में उगाई जाती हैं। रसभरी की पत्तियां भी काफी गुणकारी होती हैं। यह फल सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन-सी, पॉलीफेनॉएल आदि पाए जाते हैं। इस फल में कैलोरी की मात्रा कम होती है। आप इसे नाश्ते के रूप में भी खा सकते हैं। इसका इस्तेमाल डेसर्ट में भी किया जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मददगार

मकोय में हैपॉलीफेनोल्स और कैरोटीनॉयड जैसे फाइटो केमिकल्स मौजूद होते हैं। जो हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद है। यह हाई बीपी के स्तर को कंट्रोल करने में मददगार है। इसके अलावा मकोय में घुलनशील पेक्टिन फाइबर पाया जाता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। इससे दिल से जुड़ी बीमारियां कम होती हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

रसभरी में विटामिन-सी, विटामिन-ए और आयरन से भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इस फल के सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इसके अलावा इसमें आयरन भी होता है, जो आंखों की सेहत के लिए जरूरी पोषक तत्व है। इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है। जिससे आप मोतियाबिंद आदि समस्याओं से बच सकते हैं।

पाचन तंत्र को दुरुस्त करे

बरसात के मौसम में पाचन तंत्र कुछ ही समय के लिए कमजोर या धीमा हो जाता है। बरसात के मौसम में होने वाली दो आम पाचन समस्याओं में अपच और पेट खराब होना शामिल है। इस समस्या से राहत के लिए रसभरी फाइबर का समृद्ध स्रोत है। जिन लोगों को कब्ज की समस्या है, उनके लिए यह फल रामबाण साबित हो सकता है। रसभरी पाचन तंत्र को बढ़ावा देती है।

हड्डियों को स्वस्थ रखे

अगर हड्डियों से जुड़ी समस्या से परेशान हैं तो रसभरी मदद कर सकती है। इस फल में कैल्शियम और फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में होता है। जो हड्डियों को स्वस्थ रखते हैं। इसमें मौजूद पेक्टिन कैल्शियम और फास्फोरस के अवशोषण में मदद करता है। इससे हड्डियां मजबूत होती हैं।

सर्दी और फ्लू से बचाव

मानसून के दौरान मौसम के बदलाव से आपको सूंघने, खांसी होने और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। इससे बचने के लिए रसभरी को डाइट में शामिल करें। मकोय में एंटी ऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं, जो आपको सर्दी और फ्लू जैसी परेशानियों से बचा सकता है। यह फल खांसी की समस्या को दूर करने में भी कारगर है।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप बढ़ते वजन से परेशान है तो डेली डाइट में रास्पबेरी को शामिल कर सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में फाइबर और मैंगजीन पाया जाता है। रसभरी में फैट्स और कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है। जिससे यह फल वजन कम करने में सहायक है। आप इसे वेट लॉस जर्नी में ब्रेकफास्ट के तौर पर शामिल कर सकते हैं। इसे सलाद या सब्जी में मिक्स करके भी खा सकते हैं।

हंसना मना है

एक लड़का क्लास में लड़की को रोज चुपके चुपके देखा करता था, एक दिन लड़का बोला-आई लव यू, लड़की- अगर मैं भी आई लव य बोलूं, तो तुमको कैसा लगेगा? लड़का- जानम, मैं तो खुशी से मर जाऊंगा, लड़की बड़ी चालाक निकली, तिरछी नजर घुमा के बोली- जा नहीं बोलती, जी ले अपनी जिंदगी?

ज्योतिषी- तुम्हारा नाम कविता है? कविता- जी महाराज, ज्योतिषी- रितेश तेरे पति का नाम है? कविता- जी (हाथ जोड़ते हुए) ज्योतिषी- पति की उम्र 45 साल है? कविता- जी.. जी.. ज्योतिषी- तेरे दो लड़के और एक लड़की है? कविता- जी.. बिलकुल सही, ज्योतिषी- बड़ा लड़का.. 18 वर्ष का है.. नाम ऋषिकांत है, कविता- हां में गर्दन हिलाती है, ज्योतिषी- लड़की 15 साल की.. नाम ऐश्वर्या है, कविता- (झुक कर) जी.. महाराज, ज्योतिषी-सबसे छोटा लड़का है जो अभी दस साल का है.. नाम राजू है, कविता- (आश्चर्य से झुक कर चरणों में झुकते हुए) जी बिलकुल सही सही बता रहे हैं, ज्योतिषी- तूने कल 25 किलो गेहूं खरीदे हैं? कविता- (पैरों पर गिर कर..) महाराज आप तो पूरे अंतरयामी हैं, ज्योतिषी- अगली बार कुंडली लाना राशन कार्ड नहीं?

कहानी | बड़ा सोचो

अत्यंत गरीब परिवार का एक बेरोजगार युवक नौकरी की तलाश में किसी दूसरे शहर जाने के लिए रेलगाड़ी से सफर कर रहा था। घर में कभी-कभार ही सब्जी बनती थी, इसलिए उसने रास्ते में खाने के लिए सिर्फ रोटीयां ही रखी थी। आधा रास्ता गुजर जाने के बाद उसे भूख लगने लगी, और वह टिफिन में से रोटीयां निकाल कर खाने लगा। उसके खाने का तरीका कुछ अजीब था, वह रोटी का एक टुकड़ा लेता और उसे टिफिन के अन्दर कुछ ऐसे डालता मानो रोटी के साथ कुछ और भी खा रहा हो, जबकि उसके पास तो सिर्फ रोटीयां थीं! उसकी इस हरकत को आस पास के और दूसरे यात्री देख कर हैरान हो रहे थे। वह युवक हर बार रोटी का एक टुकड़ा लेता और झूठमूठ का टिफिन में डालता और खाता। सभी सोच रहे थे कि आखिर वह युवक ऐसा क्यों कर रहा था। आखिरकार एक व्यक्ति से रहा नहीं गया और उसने उससे पूछ - भैया तुम ऐसा क्यों कर रहे हो, तुम्हारे पास सब्जी तो है ही नहीं फिर रोटी के टुकड़े को हर बार खाली टिफिन में डालकर ऐसे खा रहे हो मानो उसमे सब्जी हो। युवक बोला, भैया, इस खाली ढक्कन में सब्जी नहीं है लेकिन ढक्कन में अचार है और मैं अपने मन में यह सोच कर खा रहा हूं की मैं आचार के साथ रोटी खा रहा हूं। फिर व्यक्ति ने पूछा , खाली ढक्कन में आचार सोच कर सूखी रोटी को खा रहे हो तो क्या तुम्हे आचार का स्वाद आ रहा है? हां, बिलकुल आ रहा है, मैं रोटी के साथ अचार सोचकर खा रहा हूं और मुझे बहुत अच्छा भी लग रहा है, युवक ने जवाब दिया। एक व्यक्ति बोला, जब सोचना ही था तो तुम आचार की जगह पर मटर-पनीर सोचते, शाही गोभी सोचते। तुम्हे इनका स्वाद मिल जाता। सोचना ही था तो भला छोटा क्यों सोचे तुम्हे तो बड़ा सोचना चाहिए था। मित्रों इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है की जैसा सोचोगे वैसा पाओगे। छोटी सोच होगी तो छोटा मिलेगा, बड़ी सोच होगी तो बड़ा मिलेगा। इसलिए जीवन में हमेशा बड़ा सोचो। बड़े सपने देखो , तो हमेश बड़ा ही पाओगे । छोटी सोच में भी उतनी ही उर्जा और समय खपत होगी जितनी बड़ी सोच में, इसलिए जब सोचना ही है तो हमेशा बड़ा ही सोचो।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ: वृषशत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन: किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क: लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है।

सिंह: पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या: आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला: प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक: राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर: राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ: आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

...फिर टीवी पर एक साथ नजर आएंगे

हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान

टीवी के मोस्ट पॉपुलर कपल हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान ने टीवी पर एक साथ कई सीरियल में काम किया है। अब आठ साल बाद एक बार फिर ये रियल लाइफ जोड़ी एक साथ छोटे पर्दे पर अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाएंगे। दोनों अपकमिंग शो 'पश्मीना' का हिस्सा होंगे। इस शो की शूटिंग फिलहाल मुंबई में हो रही है। खबरों की मानें तो टीम जल्द ही इस शो की शूटिंग के लिए कश्मीर जाएगी। ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने 'पश्मीना' कहानी के बेसिक प्लॉट का खुलासा किया। सूत्र ने कहा, कहानी कश्मीर और मुंबई के बीच फोकस्ड है। हितेन शो में मुंबई बेस्ड एक शादीशुदा के किरदार में नजर आएंगे। वे एक बच्चे का पिता हैं। वह कश्मीर की यात्रा करते हैं जहां वह किसी और के साथ रोमांटिक रूप से जुड़ जाते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, हितेन के किरदार को पता चलेगा कि कश्मीर में उसकी एक और बेटी भी है। मेकर्स गौरी के किरदार के बारे में जानकारी फिलहाल सीक्रेट रख रहे हैं। आठ साल बाद गौरी और हितेन को एक साथ स्क्रीन पर देखना दिलचस्प होगा। इस रियल लाइफ कपल को आखिरी बार टीवी शो 'मेरी आशिकी तुम से ही' में देखा गया था।

गौरी-हितेन ने साथ कई टीवी सीरियलों में किया है काम

2000 के दशक की शुरुआत में, इस डायनमिक जोड़ी ने एक बार टेलीविजन स्क्रीन पर राज किया था। कुटुंब और क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसी पॉपुलर सीरीज में अपनी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और कैरेक्टर के साथ इस जोड़ी ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई थी। ये ऑफ और ऑन-स्क्रीन जोड़ी सबसे फेवरेट जोड़ियों में से एक है। दोनों की पहली मुलाकात एक टीवी एड के सेट पर हुई थी। इसके बाद दोनों की मुलाकात 'कुटुंब' के सेट पर हुई जहां दोनों ने एक-दूसरे के अपोजिट काम किया। उनकी ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री जमने लगी। गौरी और हितेन ने अप्रैल 2004 में गौरी के होमटाउन पुणे में एक प्राइवेट फंक्शन में शादी कर ली थी। नवंबर 2009 में कपल ने जुड़वां बच्चों एक बेटा और एक बेटी का वेलकम किया था।

बॉलीवुड | **उत्साह**

कुछ लोग रातोंरात कामयाब हो जाते हैं, कुछ लोगों को खुद साबित करना पड़ता है : यामी

अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी-2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है। डायलॉग्स से लेकर कोर्टरूम और कॉमेडी सीक्वेंस तक को दर्शक पसंद कर रहे हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम अहम रोल निभाते दिखाई दिए हैं। ओएमजी 2 को लेकर यामी गौतम भी सुर्खियों का हिस्सा बन गई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उनको अंडर यूटिलाइज्ड कह दिया जिसके बाद यामी ने उन्हें जवाब दिया और साथ ही अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। दरअसल यूजर ने ट्विटर पर लिखा-यह हैरानी की बात है कि कैसे यामी गौतम हर बार अपनी परफॉर्मेंस से हमें हैरान कर देती हैं! ओएमजी2 कोई अपवाद नहीं है। वह अपने हर फ्रेम की मालिक हैं! उनकी खामोशी भी बहुत कुछ कहती है। मुझे अंडररेटेड शब्द से नफरत है। मैं बस इतना कहूंगा कि हमारे फिल्म मेकर्स ने उनका कम इस्तेमाल किया है। इस ट्वीट का जवाब देते हुए यामी गौतम ने लिखा- कुछ लोगों को रातों-रात कामयाबी मिल जाती है, कुछ लोगों को सालों तक लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। कुछ लोग अपने टैलेंट (या उसकी कमी) की मार्केटिंग करने में महान होते हैं, कुछ लोग सिर्फ अपने टैलेंट को बोलना चाहते हैं। एक एक्ट्रेस के तौर पर मैं सिर्फ एक्टिंग करना जानती हूं और अच्छी स्क्रिप्ट और वर्सटाइल कैरेक्टर्स की पहचान करने के लिए कड़ी मेहनत करती हूं, यही मेरा टैलेंट है। यामी यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने आगे लिखा- मैं अपने टैलेंट की मार्केटिंग को ज्यादा नहीं समझती या उसमें शामिल नहीं होती। बदकिस्मती से हमारी इंडस्ट्री के ज्यादातर लोगों के लिए सब कुछ किसी शख्स या प्रोजेक्ट की मार्केटिंग पर डिपेंड करता है, न कि किसी स्क्रिप्ट या कैरेक्टर की गहराई पर। शायद यही वजह है कि लोगों को लगता है कि मेरा कम इस्तेमाल किया जा रहा है।

600 लड़कियों के ऑडिशन के बाद सेलेक्ट हुईं सिमरत कौर

गदर-2

सिमरत कौर गदर-2 को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में पली-बढ़ी सिमरत ने साउथ इंडस्ट्री से होते हुए भी गदर-2 में मुस्कान का मेन किरदार निभाया है। हाल ही में उन्होंने फिल्म में अपने किरदार सहित अन्य मुद्दों पर दैनिक भास्कर से खास बात की।

फिल्म में मेरे किरदार का नाम मुस्कान है। फिल्म की सेटिंग 1971 की है। फिल्म की कहानी के लिहाज से यह रोल बहुत इंपोर्टेंट है। वैसे 'गदर-2' की कास्ट सेम ही है। इसमें तारा सिंह, सकीना हैं, लेकिन इसमें नई लड़की मुस्कान है। अब कहानी में क्या होता है और वह क्यों आती है ? उसके आने से क्या होता है, यह मुस्कान का किरदार के जरिए दर्शकों को पता चलेगा।

मुझे पुरानी फिल्में देखना और पुराने गाने सुनने का बड़ा शौक है। मैंने नूतन, मधुबाला, मीना कुमारी, वैजयंती माला आदि तमाम पिक्चरें देखी हैं, इसलिए मुस्कान के किरदार में ढलना मेरे लिए काफी आसान हो गया था। मैंने नूतन और मधुबाला से इंस्पिरेशन जरूर ली है। इसके अलावा डायरेक्टर अनिल शर्मा ने बताया कि इस कैरेक्टर के लिए तुम्हें जो कुछ फील होता है, वैसा ही करती जाना। मैं तुम्हारे लिए कोई वर्कशॉप नहीं ले रहा हूं। उन्होंने मुझसे कहा तुम क्लासिकल डांस सीखो, जिससे तुममें 1971 की लड़की की बॉडी लैंग्वेज और हाव भाव आ जाएं। क्लासिकल डांस के अलावा मैंने उर्दू की क्लासेस ली है। पहले स्पोर्ट्स प्लेयर रही हूं, सो फिजिकल तौर पर फिट रहते आई हूं। यह तो नहीं कहूंगी कि मैं बाजीगर हूं, पर यह सच है कि मुझसे पहले 600 लड़कियों का ऑडिशन लिया गया था। बहुत टाइम से ऑडिशन चल रहा था। मैं तो तब सिलेक्ट हुई, जब पालमपुर में फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई थी। मैं वहां ऑडिशन देने गई थी, तब पता चला कि मेरे अलावा छह और लड़कियां ऑडिशन देने आई हैं। मैं इतना कह सकती हूं कि इन 600 लड़कियों में से शायद मैं फिट बैठ रही होऊंगी, इसलिए मेरा सिलेक्शन हो गया। मैंने लगभग सात से आठ ऑडिशन दिए हैं। कई सारे लुक टेस्ट दिए, तब जाकर दो महीने बाद मेरा सिलेक्शन हुआ था। ऐसी पिक्चर आसानी से नहीं मिलती, अगर आसानी से मिल जाए तो फिर उसका मजा ही क्या है।

यहां पाई जाती है दुनिया की सबसे बड़ी गिलहरी, खरगोश जितना है साइज

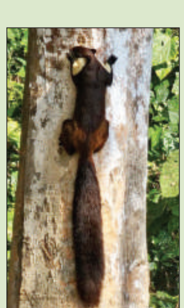

दुनिया में कई अलग-अलग तरह के जीव है जिनके बारे में इंसान को पूरी तरह जानकारी नहीं होती है यह सारे जीव प्रकृति के अनोखेपन को दर्शाते हैं। ऐसे ही कई जीव भारत में भी पाए जाते हैं पर शायद ही भारतीयों को उनके बारे में पता होगा। आज हम आपको एक गिलहरी के बारे में बताने जा रहे हैं यह गिलहरी दुनिया की सबसे बड़ी गिलहरियों में से एक है और यह भारत में पाई जाती है। इंडियन फॉरेस्ट सर्विस के अधिकारी परवीन कासवान ने हाल ही में एक तस्वीर शेयर की है जो एक गिलहरी की है। परवीन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और वो अक्सर ऐसी तस्वीरें शेयर करते हैं जिसके जरिए वो लोगों को जानवरों के बारे में जानकारी देते हैं। वो कई बार ऐसे सवाल भी पूछते हैं जिससे जलोगों की जानकारी बढ़ती है। इस गिलहरी की फोटो को पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा- भारत में पाई जाने वाली ये दुनिया की सबसे बड़ी गिलहरी की प्रजातियों में से एक है, क्या आप इसका नाम बता सकते हैं? उसके आगे वह लिखते हैं कि यह फोटो पश्चिम बंगाल के बक्सा में उन्होंने खींची थी। तस्वीर में जो गिलहरी नजर आ रही है वह पेड़ पर मौजूद है वो शरीर से खरगोश जितनी बड़ी दिखाई दे रही है। दिखने में वह आम गिलहरी जैसी नहीं लग रही है। उसकी काफी मोटी चमड़ी है। उसके शरीर पर काफी बाल भी मौजूद हैं, इस तरह गिलहरी को देख कर पहली नजर में कोई अंदाजा नहीं लगा सकता कि यह गिलहरी ही है। तस्वीर को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए 1 दिन से ज्यादा का वक्त हो गया है और इस फोटो पर कमेंट कर परवीन ने लोगों को ये जानकारी भी है कि ये कौन सी गिलहरी है। उन्होंने लिखा-कई लोगों को लगा था कि ये मलाबार जायंट स्किरिल होगी पर असल में ये मलायन जायंट स्किरिल है जिसे ब्लैक जायंट स्किरिल के नाम से भी जाना जाता है। भारत में 3 तरह की बड़ी गिलहरियां पाई जाती हैं। वो हैं, मलायन जायंट स्किरिल, मलाबार जायंट स्किरिल और ग्रिजल्ड जायंट स्किरिल। उनके पोस्ट पर कमेंट कर लोग अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। एक ने कहा कि उसे ये खूबसूरत जीव देखने को मिली थी।

अजब-गजब | **यहां भूत-पिशाच दूर करने का किया जाता है दावा**

इस अघोरी मंदिर में भक्त चढ़ाते हैं मांस, शराब और गांजा

जबलपुर। माना जाता है कि भूत प्रेत किसी-किसी इंसान को अपने वश में कर लेते हैं और इससे उस व्यक्ति की जिंदगी नरक समान हो जाती है। जबलपुर के त्रिमूर्ति नगर चांडाल भाटा क्षेत्र में स्थित एतिहासिक तांत्रिक मंदिर श्री श्री 108 गंगाराम मंसाराम अघोरी का मंदिर है। इस अघोरी के मंदिर में बड़ी दूर दूर से लोग पहुंचते हैं। अघोरी मंदिर में नारियल, नींबू आदि से पूजा की जाती है।

अघोरी बाबा मंदिर के पंडा से बातचीत के दौरान पता चला कि आज से लगभग 200 वर्ष पूर्व तीन भाई अघोरी जो काफी सिद्ध पुरुष थे, उन्होंने इस ऐतिहासिक अघोरी बाबा के मंदिर की आधारशिला रखी थी। उन तीनों भाइयों की छोटी-छोटी प्रतिमाएं इस मंदिर में विराजित हैं, जिनका पूजन करने से ही भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होने लगी और लगने लगी जबलपुर ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश के भक्तों की भीड़। जिस भी भक्त की इच्छा अघोरी बाबा पूरी करते हैं वह यहां पर भंडारा और प्रसाद वितरण अवश्य कराता है।

अघोरी मंदिर के पंडा का कहना था कि यह अघोरी का मंदिर है यहां पर कोई छुआछूत नहीं चलती। बाबा को मांस, मदिरा, बकरा, गांजा सभी कुछ चढ़ाया जाता है और विभिन्न तरीके से उन्हें प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। यह प्रथा भी गंगाराम मंसाराम अघोरी जी के समय से चलती आ रही है और निरंतर चलती भी जाएगी। और इस मंदिर में पूजा पाठ की संपूर्ण सामग्री भी मंदिर के बाहर लगी दुकान से मिल जाती है। पंडा ने यह भी बताया कि जो भी श्रद्धालु इस मंदिर में आकर नारियल के साथ सच्चे मन से दरबार की 5 परिक्रमा करता है और अपने कष्टों का निवारण करने की प्रार्थना करता है तो अघोरी बाबा उसके ऊपर से भूत, बलाय, वशीकरण और दुख सभी कुछ हर लेते हैं, जिससे वे पुनः खुशहाल जिंदगी जीने लगता है और मंदिर में दान दक्षिणा, भंडारा आदि करवा कर जाता है। पंडा ने यह भी बताया कि जो भी श्रद्धालु इस मंदिर में आकर नारियल के साथ सच्चे मन से दरबार की 5 परिक्रमा करता है और अपने कष्टों का निवारण करने की प्रार्थना करता है तो अघोरी बाबा उसके ऊपर से भूत, बलाय, वशीकरण और दुख सभी कुछ हर लेते हैं, जिससे वे पुनः खुशहाल जिंदगी जीने लगता है और मंदिर में दान दक्षिणा, भंडारा आदि करवा कर जाता है।

झूठे तथ्य पेश कर रहा भाजपा आईटी सेल : पायलट

मिजोरम में बम बरसाने के दावे को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। अमित मालवीय ने दावा किया था कि 5 मार्च 1966 को मिजोरम की राजधानी आइजोल पर बम गिराने वाले भारतीय वायुसेना के विमानों को राजेश पायलट और सुरेश कलमाड़ी उड़ा रहे थे। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने उनके पिता राजेश पायलट को लेकर किए गए ट्वीट पर भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय पर निशाना साधा है।

अमित मालवीय ने ये दावा करते हुए ट्वीट किया था कि राजेश पायलट ने मार्च 1966 में बतौर भारतीय वायुसेना पायलट मिजोरम में बम गिराए थे, इस पर सचिन पायलट ने कहा कि आपके तथ्य और दिनांक दोनों ही गलत हैं, क्योंकि 1966 में अक्टूबर महीने में वे भारतीय वायुसेना में कमीशन हुए थे। सचिन पायलट ने अमित मालवीय के दावों को काल्पनिक, तथ्यहीन और पूरी तरह भ्रामक बताया। मालवीय ने ट्वीट में लिखा था, राजेश पायलट और सुरेश कलमाड़ी भारतीय वायुसेना के उन विमानों को उड़ा रहे थे, जिन्होंने 5 मार्च 1966 को मिज़ोरम की राजधानी आइजोल पर बम गिराए, बाद में दोनों कांग्रेस के टिकट पर सांसद और सरकार में मंत्री भी बने, साफ है कि नार्थ ईस्ट में अपने ही लोगों पर हवाई हमला करने वालों को इंदिरा गांधी ने बतौर इनाम राजनीति में जगह दी, सम्मान दिया।

पिताजी की मिजोरम में युद्ध विराम करवाने में थी अहम भूमिका

अमित मालवीय पर निशाना साधते हुए सचिन पायलट ने कहा, आपके तथ्य और दिनांक दोनों ही गलत हैं, हां, बतौर भारतीय वायुसेना के पायलट मेरे पिता ने बम जरूर गिराए थे, लेकिन उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान पर गिराए थे, ना कि 5 मार्च 1966 को मिज़ोरम पर, जैसा आप दावा कर रहे हैं, वह 29 अक्टूबर 1966 को वायुसेना में कमीशन हुए थे। इसके साथ ही सचिन पायलट ने पिता राजेश पायलट के वायुसेना में कमीशन होने का सर्टिफिकेट भी अटैच किया है। साथ ही सचिन पायलट ने कहा कि हां, 80 के दशक में एक राजनेता के रूप में मिजोरम में युद्ध विराम करवाने और स्थाई शांति संधि स्थापित करवाने में उन्होंने अहम भूमिका जरूर निभाई थी।

बांके बिहारी मंदिर के पास मकान ढहा, पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। यूपी के मथुरा जिले के वृंदावन में एक जर्जर मकान के ढहने से उसके मलबे में दबने से पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, चार घायल हैं। दो घायल वृंदावन के सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती हैं। एक मथुरा के सिटी अस्पताल में हैं और एक आगरा रेफर कर दिया है। हादसे में सबसे दर्दनाक बात यह रही कि इसमें दो बेटियों के सामने उनकी माताओं की मौत हो गई। दोनों बेटियां भी उपचाराधीन हैं।

बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार सभी लोग श्रीबांके बिहारी के दर्शन के कर मंदिर से महज 10 मिनट पहले ही बाहर निकले थे और दुसायत मोहल्ले के निकासी मार्ग से वापस लौट रहे थे। वहीं, पांच अन्य घायल हैं, इनकी भी हालत गंभीर है। श्रीबांके बिहारी मंदिर से महज 200 मीटर दूर निकासी मार्ग पर स्थित विष्णु बाग वाला का मकान दशकों पुराना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पिछले दिनों आई बाढ़-बारिश के बाद मकान और भी खतरनाक स्थिति में आ गया। मंगलवार को 5.45 बजे इसका छज्जा और छत की बाउंड्रीवाल भरभराकर गिर गई। नीचे से गुजर रहीं श्रद्धालु 50 वर्षीय गीता कश्यप पत्नी एसएन कश्यप निवासी जरौली फेस-2, कानपुर, अरविंद कुमार यादव (35) पुत्र बम्बुराहिया कालोनी, कानपुर नगर, रश्मि गुप्ता (40) पत्नी जितेंद्र गुप्ता जरौली फेस-2, कानपुर नगर, अंजू मुगई (50) पत्नी संदीप निवासी कृष्णा अपार्टमेंट, ओमेक्स, वृंदावन, चंदन राय (30) पुत्र हरेंद्र राय निवासी भगवानपुर, देवरिया की मकान के मलबे के नीचे दब गईं, इनकी मौके पर ही मौत हो गई। इनके अलावा 14 वर्षीय खुशीपाल पुत्र मनोज निवासी फरिया, फिरोजाबाद, 30 वर्षीय अनामिका पत्नी राहुल निवासी जरौली फेस-2, कानपुर, अकांक्षा मुगई (25) पुत्री संदीप निवासी कृष्णा अपार्टमेंट, ओमेक्स, वृंदावन, पंकज मारवा (49) पुत्र नरेंद्र कुमार मारवा निवासी अशोका एन्क्लेव, फरीदाबाद गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों के आश्रितों को सीएम ने चार-चार रुपये देने का मुआवजा देने की घोषणा की है।

काशी विश्वनाथ में हुआ सवा लाख रूद्राक्षों का महारूद्राभिषेक

शिव मंत्रों से गूंजा मंदिर परिसर, लाखों श्रद्धालु जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। काशी विश्वनाथ मंदिर, बनारस में श्रवणमास में साधु-संतों के मत्रो-उच्चारणों के द्वारा सवा लाख रूद्राक्षों का महारूद्राभिषेक किया गया। भीलवाडा संकट मोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबू गिरी जी, सवाईभोज महन्त सुरेशदास जी महाराज, सन्तदास जी महाराज के साथ ही काशी के अनेक सन्त और बटुक के नेतृत्व में एक पुण्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

15 अगस्त को राज्यमंत्री धीरज जी के जन्मोत्सव पर ''अभिमंत्रित रूद्राक्ष वितरण कार्यक्रम'' बारह देवरा जहाजपुर में स्थानीय पुजारी गुड्डू महाराज ने करवाई। पूजा अर्चना और महारुद्राभिषेक, उसके बाद महादेव को सवा लाख रुद्राक्ष अपर्ण किये गये अधिकमास की ग्यारस को ''साधु सन्त-महात्माओं'' और राज्यमंत्री धर्मवीर धीरज गुर्जर ने देवाधिदेव महादेव काशी विश्वनाथ को स्पर्शीत अभिमंत्रित सिद्ध रुद्राक्ष की पूजा-अर्चना की, जो कि सवा लाख की संख्या में है, जन कल्याण और सबके घर में धन-धान्य और मंगल की कामना के साथ महादेव के प्रसाद के रूप में वितरित किए गए। स्थानीय कांग्रेस पूर्व विधायक अजय राय, पूर्व सांसद राजेश मिश्रा और महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे सहित जनप्रतिनिधि भी इसमें शामिल हुए। स्थानीय पुजारी ने बताया की उन्होंने पिछले कई वर्षों में पहली बार देखा ऐसा अभूतपूर्व अभिषेक देखा जिसमें स्वयं काशी विश्वनाथ को अर्पण हुए हो सवा लाख रुद्राक्ष। 15 अगस्त से 27 अगस्त तक होगा रूद्राक्ष वितरण, सहस्त्रघट का आयोजन, भोलेनाथ को छप्पनभोग और भक्तों के लिये विशाल भण्डारा को भी आयोजन होगा। आयोजकों के अनुसार 15 अगस्त 2023 मंगलवार ''जहाजपुर - बारह देवरा'' 21 अगस्त 2023, सोमवार ''कोटडी चारभुजा मंदिर में विराजमान सर्वेश्वर महादेव'', 23 अगस्त 2023, बुधवार ''गाडोली महादेव'' - गाडोली, 25 अगस्त 2023, शुक्रवार''नालेश्वर महादेव'' - बेरी-नाराणा 27 अगस्त 2023, रविवार ''धौडेश्वर महादेव'' धौड पर अनेक कार्यक्रम होंगे। श्ह जानकारी मीडिया प्रभारी तेजमल सैनी ने दी।

महाराजा बिजली पासी महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस

छात्रों ने निकाली विशाल परेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना लखनऊ में आज 15 अगस्त 2023 को 77वां स्वतंत्रता दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्राचार्य (डॉ) सुमन गुप्ता द्वारा झंडा फहराने के पश्चात डॉ रश्मि यादव द्वारा निदेशक ,उच्च शिक्षा उप्र का संदेश पढ़कर सुनाया गया। इसके पश्चात समस्त अध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तथा रोवर्स रेंजर्स द्वारा एक रैली का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत एक रंगारंग कार्यक्रम भी छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) सुमन गुप्ता ने अपने उद्बोधन में सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना देते हुए उन्हें अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति सचेत रहते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन (डॉ) श्वेता मिश्रा द्वारा किया गया। तिरंगे के साथ सेल्फी लेने हेतु एक सेल्फी प्वाइंट का भी निर्माण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया।अंत में सभी को मिष्ठान वितरण किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर मेधावियों का सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छावनी स्थित संट पॉल कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस देशभक्तिपूर्ण वातावरण के बीच उत्साह के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर आशित बाजपेयी ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद स्कूल के बच्चों ने मार्च पास्ट का शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति गीतों का सामूहिक गायन कर वातावरण को रोमांचित कर दिया। स्कूल के सीनियर विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से राष्ट्रवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किये इसके बाद स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। स्कूल के एल्यूमिनाई एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ मेधावी बच्चों के अभिभावक भी उपस्थित थे।

एशिया कप में 2 सितंबर को भिड़ेंगे भारत-पाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टक्कर 2 सितंबर को होगी। वहीं स्टार स्पोर्ट्स ने इन दोनों चिर प्रतिद्वंदी टीमों के मैच का प्रोमो रिलीज किया है। 30 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप में भारत अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर से अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ करेगा।

बता दें कि, एशिया कप में अगर भारत और पाकिस्तान फाइनल में पहुंचने हैं तो ये तीसरी बार होगा जब दोनों का फाइनल में टक्कर होगी। वहीं स्टार स्पोर्ट्स ने भारत -पाकिस्तान के मैच का प्रोमो अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया है। जिसमें आप देख सकते हैं कि एक फैन भारत की जीत के लिए तिरंगा फहराने की तैयारी करती है। स्टार स्पोर्ट्स का ये प्रोमो वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में नहीं बल्कि वनडे फॉर्मेट में होगा। जिसे वर्ल्ड कप की तैयारी के तौर पर भी देखा जा रहा है। साथ ही इस बार ये टूर्नामेंट ग्रुप स्टेज में होगा। जिसके बाद टॉप 4 शुरू होगा। ऐसे में दोनों टॉप 4 तक आ जाएंगे और टॉप 4 में दूसरी बार भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला हो सकता है। इसके अलावा इस बार एशिया कप का मेजबान देश पाकिस्तान है लेकिन मुकाबले हाईब्रिड मॉडल के तहत खेले जाएंगे। मतलब ये कि टूर्नामेंट के 4 मुकाबले पाकिस्तान में जबकि अन्य शेष मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे।

ऋषभ पंत फिट, जल्द टीम इंडिया में कर सकते हैं वापसी

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के फैंस के लिए गुड न्यूज है। दरअसल, पंत अगले साल 2024 में इंग्लैंड सीरीज से पहले भारतीय टीम में वापसी कर सकते हैं। भारत अगले साल जनवरी में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा। स्पोर्ट्स टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, पंत अगले साल आईपीएल में भी खेलेंगे। ऋषभ पंत को दुर्घटना के बाद कई सर्जरी से गुजरना पड़ा, इसके बाद पंत ने अब चलना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि, वो जल्द ही बल्लेबाजी भी शुरू कर देंगे। पंत की वापसी की खबर फैंस के लिए बेहद सुखद है। वहीं पंत की मैदान पर वापसी का इंतजार हर किसी को है। फरवरी 2023 में डॉ दिनशॉ पारदीवाला की देखरेख में पंत की मुंबई में सर्जरी सफल हुई। सर्जरी के बाद, पंत ने अपने फैंस को अपनी स्थिति के बारे में अपडेट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। बता दें कि, पंत एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल होने के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी, आईपीएल और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जैसे बड़े टूर्नामेंट से बाहर रहे। इसके अलावा वो आगामी एशिया कप और वर्ल्ड कप 2023 से भी बाहर हैं।

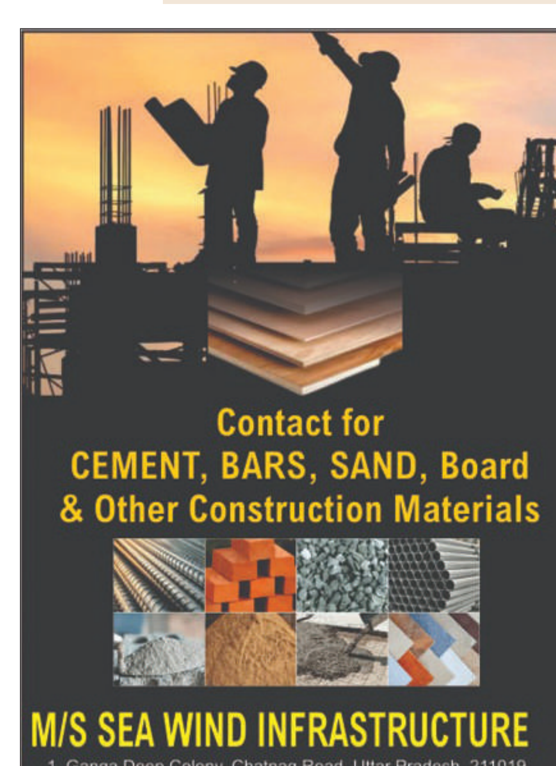

फोटो: सुमित कुमार

झंडारोहण स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधानसभा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झंडारोहण किया। इसके अवाला सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सैफई में ध्वजारोहण कर सभी का अभिवादन करते हुए स्वतंत्रता दिवस की मुबारकबाद दी। वहीं भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) ने पर झण्डा फहराया तथा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने तिरंगे को सलामी देकर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया।

ग्रीन गैस की मनमानी से बढ़ी परेशानी, बिना बताए रोकी गैस सप्लाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। खाना बनाने के लिए जरूरी गैस ही अगर रोक दी जाए तो सोचिए क्या होगा? जाहिर सी बात है लोगों को भूखे रहना पड़ेगा। पर राजधानी लखनऊ में कुकिंग गैस सप्लाई करने वाली कंपनी ग्रीन गैस लिमिटेड को कोई फर्क नहीं पड़ता की उसके द्वारा रोकी गई सप्लाई से लोगों का क्या हाल हो रहा होगा। दरअसल, कुकिंग गैस की सप्लाई एक जीवन उपयोगी सुविधा के रूप में संचालित की जाती है।

लखनऊ के गोमती नगर विस्तार सरस्वती अपार्टमेंट में ग्रीन गैस लिमिटेड कंपनी की तरफ़ से गैस सप्लाई की जाती है, लेकिन विगत दो दिनों से निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि कंपनी ने सप्लाई रोक दी है। बिना किसी पूर्व सूचना के ही सप्लाई कंपनी द्वारा गैस की सप्लाई अचानक रोक दी गई। कंपनी के कर्मचारियों ने दो दिनों तक तकनीकी ख़राबी का हवाला देते हुए सप्लाई को बाधित रखा । जिससे लगभग 25 सौ से ज़्यादा निवासियों को भारी संकट का सामना करना पड़ा।

2500

घरों में नहीं जले चूल्हे!

निवासियों में काफी रोष, कार्रवाई की मांग

कंपनी द्वारा गैस रोके जाने से वहां के निवासियों में आक्रोश व्याप्त हो गया। लोगों ने कंपनी के अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। ए ब्लॉक निवासी राजेश वत्स ने कहा कि –गैस सप्लाई एजेंसी के उपर इस घोर लापरवाही के लिए निश्चित रूप से अर्थदंड लगाना चाहिएबी ब्लॉक निवासी संतोष सिंह ने कहा कि – बिना किसी पूर्व सूचना के सप्लाई बंद कर देना अपराध की श्रेणी में आता है कंपनी के ऊपर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सी ब्लॉक निवासी रमेश पाल ने कहा कि– अगर ये कंपनी इतनी लापरवाही से काम कर रही है तो दूसरे विकल्प के रूप में किसी और कंपनी द्वारा सप्लाई लेने के बारे में सोचना चाहिए। डी ब्लॉक निवासी नितिन गर्ग ने कहा कि दो दिनों तक सप्लाई बाधित करने का मतलब है कि उचित रख रखाव में कमी है अगर यह कंपनी इतनी लापरवाह है तो सरकार द्वारा कंपनी को दिया गया अनुबंध तत्काल प्रभाव से निरस्त कर देना चाहिए। ई ब्लॉक निवासी सुभाष यादव ने कहा कि – सप्लाई कंपनी की ये लापरवाही अक्षम्य है हमें अन्य विकल्प के बारे में भी सोचना चाहिए।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

» यूपी के सीएम योगी ने भी किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित ''सदैव अटैल जाकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पांचवीं पुण्यतिथि पर उन्हें बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित की, इनके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने भी 'भारत रत्न वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित की।

वहीं यूपी की राजधानी लखनऊ में भी सीएम योगी समेत भाजपा के कई नेताओं ने उन्हें पुष्पाजंलि दी। इस अवसर पर प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया. ''सदैव अटल वाजपेयी का स्मारक है, वर्ष 2018

में आज ही के दिन दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उनका लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने में भारत के 140 करोड़ लोगों के साथ मैं भी शामिल हूं, उनके नेतृत्व से भारत को बहुत लाभ हुआ, उन्होंने हमारे देश की प्रगति को बढ़ावा देने और इसे विभिन्न क्षेत्रों में 21 वीं सदी में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फोटो :4 पीएम

पुण्यतिथि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माल्यार्पण किया। इस मौके पर मेयर सुषमा खर्कवाल व पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया समेत भाजपा के कई नेता मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पास बुलडोजर चलाने पर 'सुप्रीम' रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पास नई बस्ती में रेलवे की भूमि पर कब्जा करने वालों के मकानों पर चल रहे जेसीबी अभियान के विरुद्ध आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान को 10 दिनों के लिए रोक दिया है।

रेलवे को नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई अब एक हफ्ते बाद होगी। जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस संजय कुमार और एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले में केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता याकूेब शाह की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया,100 घरों पर बुलडोजर चलाया गया है। 70-80 घर बचे हैं। सारी बात निष्फल हो जायेगी। उन्होंने यह अभ्यास उस दिन किया जब उत्तर प्रदेश की अदालतें बंद थीं।

महिलाओं पर दी गई दलीलों और फैसलों में रूढ़िवादी शब्दों का इस्तेमाल नहीं होगा: चंद्रचूड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिलाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ी पहल की है। महिलाओं को लेकर कानूनी दलीलों और फैसलों में स्टीरियोटाइप शब्दों का इस्तेमाल नहीं होगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायिक फैसलों में लैंगिक रूढ़िवादिता खत्म करने के लिए हैंडबुक लॉन्च की।

सुप्रीम कोर्ट ने जारी की नई हैंडबुक

जजों और कानूनी बिरादरी को समझाने और महिलाओं को लेकर रूढ़िवादी शब्दों के इस्तेमाल से बचने के लिए लैंगिक रूढ़िवादिता का मुकाबला पुस्तिका जारी की। पिछले फैसलों में महिलाओं के लिए इस्तेमाल शब्दों को भी बताया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- ये शब्द अनुचित हैं और अतीत में जजों द्वारा इसका इस्तेमाल किया गया है, हैंडबुक का इरादा आलोचना करना या निर्णयों पर संदेह करना नहीं है, बल्कि केवल यह दिखाना है कि अनजाने में कैसे रूढ़िवादिता का इस्तेमाल किया जा सकता है, विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ हानिकारक रूढ़िवादिता के उपयोग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ये हैंडबुक जारी की जा रही है, इसका उद्देश्य यह बताना है कि रूढ़िवादिता क्या है। यह कानूनी चर्चा में महिलाओं के बारे में रूढ़िवादिता के बारे में है, यह अदालतों द्वारा उपयोग की जाने वाली रूढ़िवादिता की पहचान करती है। यह न्यायाधीशों को उस भाषा को पहचानने से बचने में मदद करेगी, जो रूढ़िवादिता की ओर ले जाती है। यह उन बाध्यकारी निर्णयों पर प्रकाश डालती है, जिन्होंने इसे उजागर किया है, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक रूढ़िवादिता से निपटने पर एक हैंडबुक तैयार की है, यह न्यायाधीशों और कानूनी समुदाय को कानूनी चर्चा में महिलाओं के बारे में रूढ़िवादिता को पहचानने, समझने और उसका मुकाबला करने में सहायता करने के लिए है, ये सुप्रीम कोर्ट वेबसाइट पर अपलोड होगी।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।